भूस्खलन की रोकथाम के लिये मृदा की सफाई और हाइड्रोसीडिंग

[स्रोत: द हिंदू]

पारिस्थितिक रूप से [नीलगिरि] क्षेत्र में लगातार हो रही [भूस्खलन] की समस्याओं के समाधान हेतु राज्य राजमार्ग विभाग **मृदा की सफाई (Soil Nailing) और हाइड्रोसीडिंग तकनीक का उपयोग करके एक स्थायी 'हरित' समाधान लागू** कर रहा है।

- सॉइल नेलिंग (Soil Nailing) एक **भू-तकनीकी** इंजीनियरिंग तकनीक है जिसमें **मृदा को मजबूत करने और मृदा के कटाव को रोकने के लिये इसमें मजबूत तत्त्वों को शामिल** किया जाता है।
- सॉइल नेलिंग प्रक्रिया के बाद, **'हाइड्रोसीडिंग'** विधि लागू की जाएगी, जिसमें घास और पौधों के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिये **मृदा पर बीज, उर्वरक, जैविक सामग्री** एवं **जल के मिश्रण का अनुप्रयोग** शामिल है।
  - भारत की कुछ स्थानीय प्रजातियों सहित घास की लगभग पाँच प्रजातियाँ ढलानों के किनारे उगाई जाएंगी।
  - हाइड्रोसीडिंग पूरी होने के बाद घास के रखरखाव की ज़िम्मेदारी राजमार्ग विभाग की होगी।
- सॉइल नेलिंग और हाइड्रोसीडिंग के माध्यम से भूस्खलन को रोकने का यह **'हरित'** समाधान पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील नीलगिरि क्षेत्र में सड़कों जैसे रैखिक बुनियादी ढाँचे के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा।

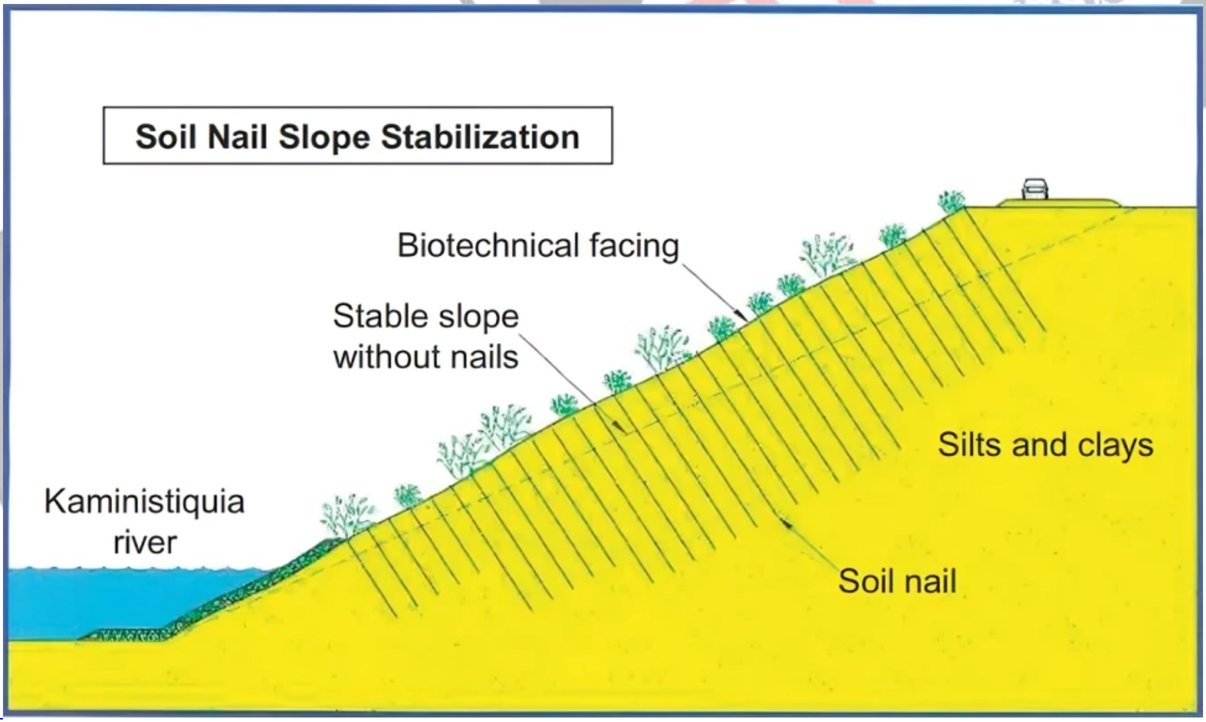

//

और पढ़ें: [भूस्खलन के प्रति अनुकूलन]